

**पिनियल काय** पुं. (अं.+तत्.) [अं. पिनियल + सं. काय] प्राणि. कशेरुकियों के मस्तिष्क की एक संरचना जो सफेद, चपटी और छोटी अ-प्रणाल अंतःस्रावी ग्रंथि होती है।

**पिन्ना** वि. (देश.) प्रायः पिनपिन करते रहने वाला पुं. (देश.) बड़ी पिन्नी।

**पिन्नी** स्त्री. (तद्.) 1. चावल के चूरे में बूरा और दूध मिलाकर बनाया जाने वाला लड्डू 2. आटे में चीनी/गुड़ आदि मिलाकर बनाया जाने वाला लड्डू 3. सूत अथवा धागे का गोलाकार पिंड या पिंडी।

**पिन्यास** पुं. (तत्.) हींग।

**पिन्हाना** स.क्रि. (देश.) पहनाना।

**पिपर** पुं. (तद्.) पीपल।

**पिपरमिंट** पुं. (अं.) पुदीने/पोदीने का सार अथवा सत्व।

**पिपरामूल** पुं. (तद्. + तत्.) पीपल की जड़।

**पिपासा** स्त्री. (तत्.) 1. पानी या और कोई तरल पदार्थ पीने की इच्छा, तृष्णा, तृषा, प्यास 2. किसी चीज को पाने की इच्छा या लोभ।

**पिपासित** वि. (तत्.) जिसे प्यास लगी हो, प्यासा।

**पिपासु** वि. (तत्.) तृषित, प्यासा।

**पिपीतक द्वादशी** स्त्री. (तत्.) वैशाख शुक्ल की द्वादशी तिथि।

**पिपीलक** पुं. (तत्.) 1. बड़ा चींटा, नर चींटी 2. एक प्रकार का सोना।

**पिपीलिका** स्त्री. (तत्.) 1. च्यूटी या चींटी नामक छोटा कीड़ा 2. चींटियों की तरह एक के पीछे एक चलने की प्रवृत्ति।

**पिपीलिका मार्ग** पुं. (तत्.) दर्शन. योग-साधना के दो मार्गों में से एक जिसके द्वारा साधक क्रमशः धीरे-धीरे आगे बढ़ता है और षटचक्रों को बेधता हुआ अपने प्राण ब्रह्मांड तक पहुँचाता है टि. साधना का इससे भिन्न मार्ग विहंगम मार्ग कहलाता है।

**पिपीलिका-सरणानुभूति** स्त्री. (तत्.) चिकित्सा. ऐसी अनुभूति या झुनझुनी मानों शरीर पर चींटियाँ रेंग रही हों।

**पिपीली** स्त्री. (तत्.) पिपीलिका, चींटी।

**पिपेट** पुं. (अं.) रसा. काँच का पतली नलिका वाला एक उपकरण जिससे किसी द्रव के निश्चित आयतन को ग्रहण कर किसी पात्र में उँडेला जा सकता है।

**पिप्पणी** स्त्री. (देश.) एक वाद्य यंत्र, शहनाई।

**पिप्पल** पुं. (तत्.) 1. पीपल वृक्ष, अश्वत्थ 2. एक प्रकार का पक्षी 3. नग्न पुरुष 4. जल, पानी 5. कपड़े का टुकड़ा।

**पिप्पली** स्त्री. (तत्.) एक गुल्मजातीय लता या उसका फल, पीपल, पीपरि टि. पिप्पली, पवित्र वृक्ष पीपल (अश्वत्थ) से भिन्न एक लता या उसका फल है।

**पिप्पलीमूल** पुं. (तत्.) पीपल की जड़, पिपरामूल।

**पिय** पुं. (तद्.) सबसे अधिक प्रिय व्यक्ति, प्रियतम, पति।

**पियच्छवि** स्त्री. (तद्.) प्रिय/पति की शोभा, छवि।

**पियबाँसा** पुं. (देश.) एक काँटेदार झाड़ी जिसके फूल पीले रंग के अथवा नीले, सफेद या लाल रंग के होते हैं, कटसरैया, कुरवक।

**पियरई** स्त्री. (देश.) पीतता, पीलापन।

**पियरा/पिया** वि. (तद्.) पीत, पीला।

**पियराना** अ.क्रि. (देश.) 1. पीला पड़ना 2. पीले रंग का हो जाना 3. रक्त की कमी से पीला पड़ना, दुर्बल हो जाना।

**पियरी** स्त्री. (देश.) पीलापन 2. पीली रंगी हुई वह धोती जो प्रायः देवियों, नदियों आदि को चढ़ाई जाती हैं 3. पीतवर्णी धोती जो विवाह के समय वर और वधू को पहनाई जाती है 4. एक प्रकार की चिड़िया।